OM 6 final_Page 1 and 2 6/10/2014 5:05 AM Page 2

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 15 अंक-6 जून-II, 2014 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹ 8 - 00

परमात्म शक्ति द्वारा सनातन संस्कृति का होता उदय -दादी

प्रकृति की मनोरम छटा के मध्य बसा एक ऐसा प्रांगण 'एकेडमी फॉर ए बेटर वर्ल्ड' जो बरबस सैलानीयों को अपनी तरफ आकर्षित करता है, में भारतवर्ष से आये धर्म प्रेमी जन अभिभूत हुए। यहां सब स्थूल हद की दीवारों से परे 'वसुधैव कुटुम्बकम्...' की नींव बहुत ही मज़बूती के साथ स्थापित है। त्रिदिवसीय सम्मेलन में 'सनातन संस्कृति की पुनः स्थापना' विषय पर विचार मंथन हुआ। यहां सभी धर्म प्रेमियों के आत्मिय भाव का अनुभव मर्मस्पर्शी रहा।

ज्ञानसरोवर-माउण्टआबू। कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. गोदावरी, डॉ. साध्वी सुशीला,कुरुक्षेत्र, शास्त्री निर्मल दास,स्वामी नारायण पंथ वरीपुर, राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महामंडलेश्वर स्वामी जन्मेजय,अयोध्य, ब्र.कु.नारायण, ब्र.कु.रामनाथ, ब्र.कु. नलिनी, ब्र.कु.कविता, ब्र.कु.शोमप्रभा, वेदपति स्वामी दयानंद सरस्वती,अजमेर तथा अन्य।

ज्ञानसरोवर-माउण्टआबू। किसी भी देश व व्यक्ति की पहचान उसकी संस्कृति से होती है। समाज में विलुप्त होती जा रही मानवीय संवेदना, सुख, शांति, प्रेम, पवित्रता, सद्भावना आदि मूल्यों को पुनर्स्थापित करना सभी धर्मात्माओं का परम कर्तव्य है। इसका एकमात्र विकल्प आध्यात्मिक ज्ञान है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के धार्मिक प्रभाग द्वारा 'सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना' विषय पर आयोजित सम्मेलन में राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि पांच हज़ार वर्ष पहले इस धरा पर सनातन संस्कृति ही थी। समूचे विश्व में दैवीगुण था, दैवीगुणों से भरपूर मनुष्य अपने आत्मिक भान में रहकर पवित्र जीवन व्यतीत करते थे। उसी संस्कृति की पुनर्स्थापना के लिए परमपिता शिव परमात्मा फिर से अपना कर्तव्य करने में तत्पर हैं। यह कर्तव्य सभी वर्गों के लोगों के शामिल होने से संपन्न होगा।

शास्त्री निर्मल दास,स्वामी नारायण पंथ वरीपुर ने कहा कि अध्यात्म के ज़रिए जिस गति से ब्रह्माकुमारी संस्था ईश्वरीय संदेश को विश्व भर में पहुंचाकर आत्माओं की ज्योति जगा रही है, निःसंदेह ही इस धरा पर वैकुण्ठ आने में देरी नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि ज्ञानसरोवर में धर्मप्रेमियों का एकत्रित होना इस कार्य को संपन्नता की ओर बढ़ाना सिद्ध करता है। हर मानव को इस पुनीत कर्तव्य में भाग लेकर पुण्य अर्जित करना चाहिए। महामंडलेश्वर स्वामी जन्मेजय,अयोध्या ने कहा कि संसार में विद्यालय व महाविद्यालय के ज़रिए डिग्रियां तो बहुत दी जाती हैं, लेकिन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से संस्कारों को श्रेष्ठ बनाने की जो शिक्षा दी जा रही है

शेष पेज 3 पर...

चरित्रवान बच्चे करेंगे देश का विकास

35वें अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में शरीक हुए भारतवर्ष से हजारों बच्चे।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शांतिवन परिसर में 35वें अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पूरे देश से 2500 से भी अधिक बच्चों ने भाग लिया। इस शिविर में आए हुए बच्चों को सम्बोधित करते हुए पंजाब से आए स्काउट एण्ड गाइड के सचिव डॉ. साधू सिंह ने कहा कि हमें सिर्फ स्कूल की कक्षा में ही प्रथम नहीं आना है बल्कि हमें जीवन की दौड़ में भी प्रथम आना है। उन्होंने कहा कि हमारा सुनहरा भविष्य हमारे बचपन की गतिविधियों पर ही आधारित होता है इसलिए बचपन को

शेष पेज 11 पर...

शांतिवन। देशभर से 2500 से ज़्यादा बच्चे हुए शरीक।

शांतिवन। स्काउट एण्ड गाइड के सचिव डॉ. साधू सिंह, ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु.मृत्युंजय, ब्र.कु.भूपाल, ब्र.कु.डॉ. हरीश तथा अन्य।